

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

पढ़ाई में गोल्ड मेडल से करोड़ों के बिजनेस तक... जानिए पंकज मिश्रा की संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक कहानी

Publisher

Published on 28 Oct 2025



सफलता की कहानियां हमेशा प्रेरणा देती हैं, लेकिन कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो यह साबित करती हैं कि सपनों को साकार करने के लिए हालात नहीं, हौसले मायने रखते हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है **पंकज मिश्रा** की — एक साधारण परिवार से आने वाले उस युवा की, जिसने पढ़ाई में गोल्ड मेडल हासिल करने से लेकर करोड़ों रुपये का बिजनेस साम्राज्य खड़ा करने तक का सफर तय किया। पंकज की कहानी आज उन सभी के लिए मिसाल बन चुकी है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा सोचने की हिम्मत रखते हैं।

पंकज मिश्रा का बचपन सामान्य था। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन उनके अंदर कुछ बड़ा करने की आग हमेशा जलती रही। बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहने वाले पंकज ने अपनी मेहनत और लगन से यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडल हासिल किया। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी की, लेकिन मन में हमेशा कुछ अलग करने की चाह थी। उन्होंने महसूस किया कि अगर मेहनत और ईमानदारी से काम किया जाए तो खुद का बिजनेस शुरू करना भी संभव है।

इसी सोच ने उन्हें लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम पूंजी और सीमित संसाधनों के साथ उन्होंने अपने छोटे से कमरे से लॉजिस्टिक्स कंपनी की शुरुआत की। शुरुआती दिनों में चुनौतियां कम नहीं थीं — न अनुभव, न बड़ा नेटवर्क और न ही निवेश करने के लिए पर्याप्त धन। लेकिन पंकज मिश्रा ने हार नहीं मानी। उन्होंने हर मुश्किल को एक अवसर के रूप में देखा और धीरे-धीरे अपने काम को बढ़ाना शुरू किया।

उनकी मेहनत और समर्पण रंग लाए। कुछ ही सालों में उन्होंने **35 करोड़ रुपये का लॉजिस्टिक्स बिजनेस** खड़ा कर दिया। उनका बिजनेस मॉडल इतना मजबूत और प्रभावी था कि बड़ी कंपनियों ने भी उनकी सेवाओं को अपनाना शुरू कर दिया। पंकज का कहना है कि “बिजनेस में सफलता का असली मंत्र है भरोसा और प्रतिबद्धता। अगर आप अपने क्लाइंट से वादा करते हैं, तो

उसे हर हाल में पूरा करें। यही आपकी पहचान बनाता है।”

लॉजिस्टिक्स बिजनेस की सफलता के बाद पंकज मिश्रा ने खुद को एक नए क्षेत्र में चुनौती देने का फैसला किया। उन्होंने फूड इंडस्ट्री की ओर रुख किया और अपनी **बेकरी कंपनी** की शुरुआत की। उन्होंने इस बिजनेस में भी वही समर्पण और गुणवत्ता का ध्यान रखा जो उन्होंने अपने पहले वेंचर में किया था। पंकज की बेकरी कंपनी ने जल्द ही मार्केट में अपनी पहचान बना ली और देश के कई शहरों में अपने प्रोडक्ट्स की सप्लाई शुरू कर दी।

अब पंकज मिश्रा का लक्ष्य अगले **तीन सालों में 400 करोड़ रुपये का कारोबार** करने का है। उनका कहना है, “मैं चाहता हूँ कि भारतीय बेकरी प्रोडक्ट्स को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। हमने ‘मेक इन इंडिया’ को ध्यान में रखते हुए अपनी पूरी उत्पादन प्रक्रिया को स्वदेशी रखा है ताकि देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों।”

पंकज का यह सफर सिर्फ एक बिजनेस जर्नी नहीं बल्कि प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने यह साबित किया है कि अगर जुनून और दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। उन्होंने अपने कर्मों से दिखाया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, हिम्मत और मेहनत से सफलता जरूर मिलती है।

उनकी कहानी का एक और बड़ा संदेश यह है कि शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती। पढ़ाई में गोल्ड मेडल हासिल करने के बाद भी उन्होंने उसे अपनी सफलता की दिशा में मार्गदर्शक बनाया। पंकज मिश्रा कहते हैं, “मेरी पढ़ाई ने मुझे अनुशासन, प्रबंधन और विश्लेषण की समझ दी। आज मैं जो भी हूँ, उसमें शिक्षा की अहम भूमिका रही है।”

आज पंकज मिश्रा युवाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत हैं। उनकी कहानी यह बताती है कि सफलता पाने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़ी सोच और लगन की जरूरत होती है। वह न सिर्फ एक सफल उद्यमी हैं, बल्कि एक ऐसे विजनरी लीडर भी हैं जो देश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखा रहे हैं।

संघर्ष से सफलता की इस कहानी में पंकज मिश्रा ने यह साबित कर दिया है कि सपने अगर सच्चे मन से देखे जाएं और उन्हें साकार करने के लिए मेहनत की जाए, तो मंज़िल खुद रास्ता दिखाती है। छोटे कमरे से शुरू हुआ यह सफर अब करोड़ों के साम्राज्य में बदल चुका है और आने वाले सालों में यह नाम भारत की अग्रणी बिजनेस कहानियों में शुमार होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.